No. of Printed Pages : 3

ई.एस.-345

11438

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

ई.एस.-345 : हिन्दी शिक्षण प्रविधि

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए।

1. कविता की दृष्टि से हिन्दी साहित्य के काल विभाजन का उल्लेख कीजिए। कविता शिक्षण के मुख्य उद्देश्य तथा शिक्षण प्रक्रिया का विस्तार पूर्वक विवेचन कीजिए।

अथवा

भाषा अधिगम की विशेषताओं का वर्णन करते हुए भाषा अधिगम तथा भाषा शिक्षण के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालिए।

नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए।

2. शिक्षण कार्य को अधिक सरल, सुगम, स्पष्ट एवं रोचक बनाने में शिक्षण सूत्रों के योगदान पर प्रकाश डालिए। अपने उत्तर की पुष्टि के लिए संगत उदाहरण भी दीजिए।

अथवा

हिन्दी शिक्षण में पाठ्य पुस्तकों के गुणों की, चर्चा करते हुए हिन्दी शिक्षण में पाठ्य पुस्तकों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

3. नीचे दिए गए प्रश्नों में से ***किन्हीं पाँच*** का उत्तर दीजिए।

(i) कविता शिक्षण में प्रस्तावना के रूप में आदर्श वाचन का महत्त्व समझाइए।

(ii) वर्तमान विद्यालयी पाठ्यचर्या में हिन्दी का क्या स्थान है? त्रिभाषा सूत्र के विशेष संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(iii) जीवनी तथा आत्मकथा में अन्तर बताते हुए उनके उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।

(iv) रचना शिक्षण से क्या तात्पर्य है? लिखित रचना के किन माध्यमों द्वारा प्रभावोत्पादक बनाया जा सकता है।

(v) हिन्दी शिक्षक के लिए हिन्दी भाषा की संरचना का ज्ञान क्यों उपयोगी है?

(vi) भाषा के मुख्य कौशल कौन-कौन से हैं? प्रत्येक का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(vii) निबन्ध पाठ शिक्षण में मौन पाठ का क्या महत्त्व है?

(viii) क्रियात्मक अनुसन्धान का वर्णन करते हुए हिन्दी भाषा शिक्षण में उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

पाठ योजना के महत्व को बताते हुए आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए किसी एक गद्य पाठ के लिए एक पाठ योजना तैयार कीजिए।